बाल विज्ञान कांग्रेस के लिए 10 बाल वैज्ञानिक चयनित

बेगूसराय | निज प्रतिनिधि

विज्ञान के क्षेत्र में बाल प्रतिभाओं के मामले में जिला उर्वर है। जरूरत है वैसे बाल वैज्ञानिकों को बेहतर मंच देने की। ये बातें विधान पार्षद सह मुख्य सचेतक रजनीश कुमार ने मंगलवार को शाहपुर में कहीं।

वे तक्षशिला स्कूल में 26वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में बोल रहे थे। बाल वैज्ञानिकों के प्रोजेक्ट कार्य की सराहना की। जिला माध्यमिक शिक्षक संघ के संयुक्त सचिव सह साइंस फॉर सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. सुरेश प्रसाद राय ने कहा कि ज्ञान की हथेली पर विज्ञान का दीपक जलाकर प्रतिभा को उभारने की जरूरत है। बच्चों का प्रोजेक्ट देख गदगद डॉ. श्रीराय ने कहा विज्ञान के क्षेत्र में ये बाल वैज्ञानिक देश दुनिया में नाम रौशन करेगा।

ये थे निर्णायक मंडली के सदस्य : प्रो.डीपी सिंह, डॉ. अजय रूखियार, डॉ. रामरेखा सिंह, प्रो.अरविंद राय, डॉ.एम हुसैन, प्रो.प्रभुरंजन सिंह, प्रो. रामाशीष सिंह, प्रो. चुनचुन सिंह, पुरूषोत्तम कुमार, गणपति कुमार, संजय कुमार थे। मौके पर बिहार माध्यमिक शिक्षा संघ के उपाध्यक्ष भागीरथ प्रसाद, क्षेत्रीय समन्वयक कृष्ण कुमार, प्राचार्य रमाचक्रवर्ती, जिला समन्वयक हर्षवर्द्धन कुमार आदि मौजूद थे।

इन छात्रों के प्रोजेक्ट का हुआ चयन : सेंट जोसेफ पब्लिक स्कूल, रतनपुर की अमीशा कुमारी, उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय खरमौली की आंचल कुमारी, माउंट लिट्रा की मुस्कान व स्नेहल शांभवी, तक्षशिला की अपूर्वा, डीएवी के कमल कृष्ण, बीपीएस पब्लिक स्कूल नावकोठी की रचना भारती, बीएम हाईस्कूल के शुभम राजा, बीपी स्कूल के अतहर शैफ व रीभर वैली स्कूल के उत्सव पाठक के प्रोजेक्ट को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन किया गया।

चयनित प्रोजेक्ट को माउंट लिट्रा में 25-27 अक्टूबर को राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस में दिखाया जायेगा। वहां से राष्ट्रीय स्तर पर जाने का मौका मिलेगा।

36 जिलों के जुटेंगे बाल वैज्ञानिक

बेगूसराय | निज प्रतिनिधि

देश व पर्यावरण को स्वच्छ, हरित व स्वस्थ रखने के लिए समस्याओं को चिन्हित कर वैज्ञानिक समाधान की दिशा में विकास की मजबूत नींव रखने का बेहतर मंच है राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस। जरूरत है ऐसे बाल वैज्ञानिकों को उत्साह बर्द्धन करने की।

ये बातें साइंस फॉर सोसाइटी के प्रदेश महासचिव श्रीराम पांडेय ने मंगलवार को बेगूसराय में कहीं। वे शहर के उलाव स्थित माउण्ट लिट्रा स्कूल में 24 से 27 अक्टूबर को होने वाली 26वीं राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस-2018 की तैयारी का जायजा लेने के बाद पत्रकारों से मुखातिब थे। कहा इसमें 36 जिले के 231 परियोजनाओं को प्रदर्शित किया जायेगा। इनमें से बेहतर 30 परियोजनाओं का राष्ट्रीय स्तर के लिए चयन किया जाना है। तैयारी पर संतोष व्यक्त करते हुए और बेहतर करने के लिए नये टिप्स दिये। राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ के संयुक्त सचिव सह कार्यक्रम के स्थानीय राज्य आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. सुरेश प्रसाद राय ने कहा कि बाल विज्ञान कांग्रेस का राज्य स्तरीय कार्यक्रम में बाल वैज्ञानिकों का महासंगम होना जिले के लिए गौरव की बात है। स्कूल के निदेशक मनीष देवा ने कहा कि डॉ. कलाम का सपना पूरा करने के लिए पहुंच रहे बाल वैज्ञानिकों के स्वागत व बेहतर भविष्य के लिए स्कूल प्रबंधन से लेकर जिले के लोग हर मोड़ पर तैयार रहने का आश्वासन दिया। स्कूल की प्राचार्य शीतल देवा ने कहा कि बाल विज्ञान कांग्रेस बच्चों को उनके स्थानीय समस्याओं को समझने व उनके निदान के लिए वैज्ञानिक कार्य प्रणाली के माध्यम से समाधान ढूंढने की समझ विकसित करने का अवसर पैदा करता है। इस तरह का आयोजन बाल वैज्ञानिक की प्रतिभा का थर्मामीटर की तरह काम करता है। मौके पर एसएफएस उपाध्यक्ष चंद्रशेखर झा, शैक्षणिक समन्वयक डॉ. अरुण कुमार, डॉ. फूलगेन्द्र, श्यामनंदन सिंह, जिला समन्वयक हर्षवर्द्धन कुमार, सेंट जोसेफ पब्लिक स्कूल के निदेशक अभिषेक कुमार, प्रो. संजय कुमार, भागीरथ प्रसाद राय, दीपक कुमार, उमेश कुमार आदि उपस्थित थे।

उलाव स्थित माउन्ट लिट्रा स्कूल में मंगलवार को राज्यस्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस की जानकारी देते अतिथि। • हिन्दुस्तान

36 जिलों के 231 परियोजनाओं को प्रदर्शित किया जायेगा

30 परियोजनाओं का चयन राष्ट्रीय स्तर के लिए होगा

बाल विज्ञान कांग्रेस में 36 जिलों के 231 बाल वैज्ञानिक करेंगे शिरकत

- विज्ञान के महाकुंभ में राज्य के बाल वैज्ञानिकों को सीखने का मिलेगा मौका: डॉ सुरेश

संवाददाता ▷ बेगूसराय

बैठक में भाग लेते बाल विज्ञान कांग्रेस के राज्यस्तरीय पदाधिकारी.

बेगूसराय जिले में भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के तहत तीन दिवसीय 26 वें राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस का आयोजन जिले के लिए न सिर्फ गौरव की बात है वरन राज्य के 36 जिलों से आने वाले बाल वैज्ञानिकों को बहुत कुछ सीखने का अवसर प्राप्त होगा. उक्त बातें आयोजन को लेकर माउंट लिट्रा स्कूल उलाव में आयोजित राज्य स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ के संयुक्त सचिव डॉक्टर सुरेश प्रसाद राय ने कहीं. इन्होंने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से बाल वैज्ञानिकों में विज्ञान की अवधारणा के प्रति जागरूक करना है ताकि डॉ कलाम के सपनों का भारत बन सके. इस मौके पर तीनों दिन के कार्यक्रमों की रूपरेखा पर प्राचार्या शीतल देवा ने प्रजेंटेशन के माध्यम से जानकारी दी. ज्ञात हो कि इस कार्यक्रम का उद्घाटन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग बिहार की सचिव हरजीत कौर बमरा, विधान पार्षद रजनीश कुमार, संजीव कुमार सिंह, डॉ दिलीप चौधरी करेंगे. तकनीकी सत्र का उद्घाटन साइंस फॉर सोसियो बिहार के अध्यक्ष एसपी वर्मा करेंगे. वहीं सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन बरौनी रिफाइनरी के कार्यपालक निदेशक केके जैन करेंगे. एक्जीविशन प्रतियोगिता का उदघाटन जिला शिक्षा पदाधिकारी श्यामबाबु राम एवं महापौर उपेंद्र प्रसाद सिंह करेंगे. कार्यक्रम का समापन विधान पार्षद सह बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष केदारनाथ पांडेय एवं महासचिव शत्रुघ्न प्रसाद सिंह करेंगे. इस मौके पर एक स्मारिका का भी विमोचन किया जायेगा. बैठक में प्रदेश से उपस्थित बाल विज्ञान कांग्रेस के पदाधिकारियों ने कहा कि इस कार्यक्रम में राज्य के 36 जिलों से 231 बाल वैज्ञानिक भाग लेंगे. इस आयोजन में राज्य के 33 प्राध्यापकों को टोली भाग लेगी. 25 अक्तूबर को आयोजन का शुभारंभ जिला पदाधिकारी राहुल कुमार के द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जायेगा. यह रैली शहर के विभिन्न भागों से होते हुए कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेगी. इस बैठक में साइंस फॉर सोसायटी बिहार के महासचिव श्रीराम पांडेय, उपाध्यक्ष चंद्रशेखर झा, डॉ सीएस झा, बाल विज्ञान कांग्रेस के राज्य समन्वयक डॉ फुलगैन पूर्वे , राज्य शैक्षिक समन्वयक डॉ अरुण कुमार, बेगूसराय जिला बाल विज्ञान के समन्वयक हर्षवर्धन कुमार,संत जोसेफ स्कूल के निदेशक अभिषेक कुमार समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे. इस मौके पर बैठक में भाग लेने वाले अतिथियों का स्वागत व धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय के निदेशक मनीष देवा ने किया.

राज्यस्तरीय • देश स्तर के 30 वरिष्ठ वैज्ञानिकों के सामने रखेंगे रिसर्च

25 से होगा बाल विज्ञान कांग्रेस 36 जिलों के 300 बच्चे लेंगे भाग

सिटी रिपोर्टर | बेगूसराय

26 वीं राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस-2018 का आयोजन माउंट लिट्रा पब्लिक स्कूल में 25-27 अक्टूबर तक किया जा रहा है। जिसमें 36 जिला के तीन सौ बाल वैज्ञानिकों का जमावड़ा लगने जा रहा है। इसमें एक सौ से ज्यादा विज्ञान शिक्षक, 30 देश स्तर के वैज्ञानिक एवं विज्ञान विषय पर काम करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता भी हिस्सा लेंगे। उक्त जानकारी राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस -2018 के आयोजन समिति के अध्यक्ष सह माध्यमिक शिक्षक संघ के संयुक्त सचिव डा सुरेश प्रसाद राय ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए दी है। उन्होंने बताया कि आयोजन को लेकर पूरी तैयारी हो गई है। डा राय ने बताया कि इस अवसर पर एक स्मारिका का विमोचन मुंगेर विश्वविद्यालय के कुलपति के द्वारा 25 अक्टूबर को किया जाएगा। आयोजन समिति के सचिव सह माउंट लिट्रा स्कूल के प्राचार्य शीतल देवा ने कहा कि यदि आपको विज्ञान विषय में अभिरुचि है तो अपने बच्चों के साथ एक बार अवश्य तीन दिवसीय बाल विज्ञान कांग्रेस को देखने आएं। क्योंकि यहां राज्यभर से आए बाल वैज्ञानिक द्वारा मुख्य विषय- स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ राष्ट्र हेतु विज्ञान, तकनीक एवं नवाचार विषय पर एक से एक प्रोजेक्ट की प्रस्तुति होगी। जिसमें देश और राज्य की बेहतर कार्यों के सपने और उसे साकार करने के लक्ष्य स्पष्ट रूप से देखने को मिलेगा। शीतल देवा ने पत्रकारों को प्रोजेक्ट के माध्यम से पूरी तैयारी की जानकारी दिया।

माउंट लिट्रा पब्लिक स्कूल में होगा आयोजन

25-27 अक्टूबर को क्या-क्या होगा

25 अक्टूबर को गांधी स्टेडियम से जीडी कॉलेज तक सुबह साढ़े 6 बजे से साढ़े आठ बजे मार्च पास्ट करेंगे जिसमें डीएम राहुल कुमार द्वारा हरी झंडी दिखाई जाएगी। इसके बाद 11 बजे माउंट लिट्रा पब्लिक स्कूल परिसर में उद्घाटन समारोह से विज्ञान कांग्रेस की शुरुआत होगी जिसमें कई विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रोफेसर, वैज्ञानिक हिस्सा लेंगे। उद्घाटन के बाद 6 रूम में जूनियर एवं सीनियर बाल वैज्ञानिकों के प्रोजेक्ट की प्रस्तुति होगी। साथ ही दूसरे स्थानों पर समानांतर रूप से सेमिनार, पेंटिंग एवं प्रदर्शनी चलता रहेगा। वहीं शाम में फेस टू फेस कार्यक्रम बाल वैज्ञानिक वरिष्ठ वैज्ञानिकों से करेंगे सवाल जवाब। 26 अक्टूबर को देश के कई वैज्ञानिकों द्वारा विज्ञान शिक्षकों के बीच व्याख्यान दिया जाएगा। साथ ही प्रदर्शनी और परिचर्चा भी चलता रहेगा। जबकि 27 अक्टूबर को समापन समारोह का आयोजन किया गया है।

प्रमुख लोग थे उपस्थित

प्रेसवार्ता के पूर्व आयोजन समिति की बैठक हुई जिसमें आयोजन समिति के संयोजक डा मनीष देवा ने अतिथियों का स्वागत किया। मौके पर साइंस फॉर सोसाइटी के राज्य समन्वयक शुलेंद्र पूर्वे, महासचिव गौतम पांडेय, उपाध्यक्ष चंद्रशेखर झा, डा अरूण कुमार, डा गौतम झा, दीपक कुमार, उमेश कुमार, श्यामनंदन प्रसाद, जिला समन्वयक हर्षवर्धन कुमार, मंत्र जेनेसिस पब्लिक स्कूल के निदेशक अभिषेक कुमार, पंकज कुमार आदि उपस्थित थे।

बिजली कनेक्शन शिविर में जमा हुए 649 आवेदन

सिटी रिपोर्टर | बीहट

हर घर बिजली कार्यक्रम के तहत बीहट प्रखंड कार्यालय परिसर में आयोजित दो दिवसीय बिजली कनेक्शन शिविर मंगलवार को संपन्न हो गया। विद्युत विभाग के जेई रविशंकर शर्मा ने बताया कि इस शिविर में कुल 649 आवेदन जमा हुए। जिसमें एपीएल कनेक्शन के 390, बीपीएल के 250 तथा कृषि कनेक्शन हेतु 9 आवेदन जमा हुए। ...

दुर्गापूजा के लिए मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति

सिटी रिपोर्टर | बलिया

बलिया थाना क्षेत्र दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर प्रशासन ने 14 स्थानों पर दंडाधिकारी के साथ पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है जो 17 अक्टूबर से ड्यूटी पर रहेंगे। ...

बिजली कनेक्शन शिविर में 73 लोगों ने किया आवेदन

मंझौल | प्रखंड मुख्यालय कैंपस में मंगलवार को ...

भगतपुर-तुलसीटोल मुख्य सड़क पर जलजमाव से सड़क पर चलना भी दूभर

चापाकल और घर के नाले का गंदा पानी सड़क पर सड़ जाता है, आती है बदबू

सिटी रिपोर्टर | बलिया

...

रामकथा आयोजन समिति ने डीएम से मांगा सहयोग

डीएम से मिलते रामकथा आयोजन समिति के लोग।

सिटी रिपोर्टर | बेगूसराय

...

खाना बनाते वक्त सिलेंडर फटने से घर में लगी आग

छौड़ाही | खाना बनाने के दौरान ...

श्री विनायक बजाज दे रहा है अब बिना कोई डाउनपेमेंट पर बाइक

सिटी रिपोर्टर | बेगूसराय

...

आस्था और विश्वास की प्रतीक हैं लोहियानगर की सर्वमंगला दुर्गा मां

सिटी रिपोर्टर | बेगूसराय

...

पुरुष सीनियर कबड्डी में ईसीआर से हारा बेगूसराय

तीसरे स्थान पर रही बक्सर और पटना की टीम, 16 अंक से जीती ईसीआर की टीम

सिटी रिपोर्टर | बेगूसराय

ट्रॉफी के साथ खुशी मनाते खिलाड़ी।

...

बीहट पुलिस ने एक नामजद आरोपी को किया गिरफ्तार

बीहट | पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर ...

बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और उड़ीसा का सर्वाधिक लोकप्रिय हिन्दी दैनिक, टेलीफोन नंबर - 0612-2577643, फैक्स नं : 0612-2577644

प्रकाशन का 70वां वर्ष

एक अखबार संपूर्ण बिहार

फ॥ श्री हरि ॥ फ

सन्मार्ग

नमोऽस्तु रामाय सलक्ष्मणाय देव्यै च तस्यै जनकात्मजायै नमोऽस्तुरुद्रेन्द्रयमानिलेभ्यो नमोऽस्तुचन्द्रार्कमरुद्गणेभ्यः

26वीं राज्यस्तरीय राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस की तैयारियों को ले प्रारूप तैयार

बेगूसराय कार्यालय, संवाददाता

मंगलवार को माउंट लिट्रा पब्लिक स्कूल उलाव में स्थानीय राज्य आयोजन समिति के अध्यक्ष डा. सुरेश प्रसाद राय की अध्यक्षता में 26वीं राज्य स्तरीय राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस की तैयारियों का अंतिम प्रारूप पेश किया गया। मौके पर विभिन्न कार्यक्रमों के संबंध में प्राचार्या शीतल देवा ने पत्रकारों को बताया कि 25 अक्टूबर को आयोजन का शुभारंभ जिलाधिकारी राहुल कुमार के द्वारा रैली को झंडी दिखाकर किया जायेगा। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन हरजौत कौर बमरा, सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग बिहार, रजनीश कुमार, संजीव कुमार सिंह, डा. दिलीप चैधरी सदस्य बिहार विधान परिषद के द्वारा होगा। टेक्नीकल सत्र का उद्घाटन साइंस फोर सोसाइटी बिहार के अध्यक्ष एसपी वर्मा करेंगे। फेस टू फेस सत्र का उद्घाटन सुप्रसिद्ध चिकित्सक डा. एमएन राय करेंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन ईडी इंडियन आयल कारपोरेशन बरौनी केसे जैन के कर कमलों से होगा। प्राचार्या ने बताया प्रतियोगिता प्रदर्शनी का उद्घाटन मेयर उपेन्द्र प्रसाद सिंह एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी श्याम बाबू राम के द्वारा किया जायेगा। कार्यक्रम का समापन केदारनाथ पांडेय सदस्य सविप सह अध्यक्ष विमाशि संघ पटना एवं शत्रुघ्न प्रसाद सिंह पूर्व सांसद एवं महासचिव बिहार माशि संघ पटना के द्वारा किया जायेगा। मौके पर सांइस फोर सोसाईटी बिहार के विभिन्न सदस्यों के द्वारा कार्यक्रम से संबंधित सुझाव एवं प्रश्न किये गये जिनका समुचित उत्तर उन्हें प्राचार्या के द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर श्रीराम पांडे महासचिव, चन्द्रशेखर झा उपाध्यक्ष, डा. फुलगेन पूर्वे, डा. अरूण कुमार, डा. सीएस झा, दीपक कुमार, उमेश कुमार, श्याम नंदन प्रसाद आदि ने भी अपना विचार एवं सुझाव प्रदान किये।

amazon exclusive
Price for one unit only.

तकनीकी सत्र में व्यस्त रहे बाल वैज्ञानिक

पोस्टर व चित्रांकन प्रदर्शनी के माध्यम से दी पर्यावरण संरक्षा सुरक्षा की दी जानकारी

बाल विज्ञान कांग्रेस में स्वच्छता पर आधारित पोस्टर का निरीक्षण करते अतिथि

बाल विज्ञान कांग्रेस में बच्चों द्वारा बनाए गए प्रदर्श का मूल्यांकन करते विशेषज्ञ

जागरण संवाददाता, बेगूसराय : उलाव स्थित माउंट लिट्रा पब्लिक स्कूल में आयोजित राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस के दूसरे दिन तकनीकी सत्र में सूबे के 36 जिलों के बाल वैज्ञानिकों ने निर्णायक मंडली के समक्ष अपनी-अपनी परियोजना कार्य की प्रस्तुति की। तकनीकी सत्र का उद्घाटन जिला शिक्षा पदाधिकारी श्याम बाबू राम ने किया। अपशिष्ट कचरा प्रबंधन, जैविक पदार्थो के इस्तेमाल से उपयोगी वस्तुओं का निर्माण, मंदिर समेत अन्य स्थानों से प्राप्त फूलों से इत्र निर्माण, जलकुभी के द्वारा उपयोगी व सजावटी वस्तुओं के निर्माण, भूजल में मौजूद हानिकारक तत्वों की मात्रा को पता लगाने वाले यंत्र समेत एक से बढ़कर एक परियोजनाओं की प्रस्तुति की गई।

कार्यक्रम स्थल के महात्मा गांधी हाल में स्वच्छता पर आधारित पोस्टर प्रदर्शनी का उद्घाटन पूर्व मेयर संजय कुमार ने किया। प्रदर्शनी में समस्तीपुर की निहारिका ने महिलाओं की सेनेटरी नैपकिन से होने वाले पर्यावरणीय नुकसान से अगाह करते हुए दुबारा इस्तेमाल में आने वाले सेनेटरी नैपकिन बनाने की विधि को प्रदर्शित किया। इस संबंध में निहारिका ने बताया एक सेनेटरी नैपकिन के इस्तेमाल से एक से चार प्लास्टिक बैग के बराबर प्रदूषण होता है। एक महिला करीब 500 मासिक चक्रों से गुजरकर अपने जीवन काल में तकरीबन 17000 बार सैनेटरी नैपकिन का इस्तेमाल करती है। इस हिसाब से साफ सूती कपड़ों ओर रूई के प्रयोग से दुबारा इस्तेमाल किए जाने वाले नैपकिन के निर्माण व प्रोत्साहन से प्रदूषण की समस्या से निजात दिलाया जा सकता है। दर्शकों व विषेशज्ञों ने इसकी सराहना की। समस्तीपुर के ही केशव राज ने धूम्रपान से होने वाले नुकसान की जानकारी देते हुए पोस्टर प्रदर्शित किया। बायो डस्टबीन की उपयोगिता दर्शाती प्रदर्शनी को भी सराहा गया। दिनकर हाल में महात्मा गांधी की 50 वीं जयंती को लेकर आयोजित स्वच्छता पर आधारित चित्रांकन प्रतियोगिता में भी बच्चों ने अपनी प्रतिभा उकेरी। इधर सूबे के विभिन्न जिलों से पहुंचे मार्गदर्शक शिक्षकों के लिए भी उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित किया गया जिसमें कोलकाता के वैज्ञानिक वीएन दास, इन्द्राणी बसु, रांची के आनंद मोहन ने भौतिकी विषय के विभिन्न शंकाओं का समाधान किया। मौके पर प्राचार्य शीतल देवा, निदेशक मनीष देवा, साइंस फार सोसाइटी के राज्य समन्वयक डा. फुलगेन्द्रु पूर्वे समेत अन्य लोग मौजूद रहे। मौके पर बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति के माध्यम से बाल वैज्ञानिकों का भरपूर मनोरंजन भी किया।

साइंस फार सोसाइटी के राज्य शैक्षणिक समन्वयक डा. अरूण कुमार ने बताया कि बच्चों की अभिरूचि के आधार पर परियोजनाओं का चयन किया जाता है ताकि उचित मार्गदर्शन के साथ वे अपनी क्षमता को मूर्त रूप दे सके। मुख्य रूप से बाल विज्ञान कांग्रेस में बाल वैज्ञानिकों ने पारंपरिक ज्ञान, इको सिस्टम, ग्लोबल वार्मिंग, कार्वन उत्सर्जन को रोकने से संबंधित परियोजनाओं के माध्यम से अपनी वैज्ञानिक सोच का प्रदर्शन किया है।

आपको हमारा Epaper कैसा लगा हमें बतायें

50 में से 30 प्रोजेक्ट राष्ट्रीय स्तर को होंगे चयनित

बेगूसराय | निज प्रतिनिधि

उलाव स्थित माउण्ट लिट्रा पब्लिक स्कूल में 26वीं राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस के दूसरे दिन बाल वैज्ञानिकों ने पोस्टर के माध्यम से अपने प्रोजेक्ट की जानकारी एक्सपर्ट को दी।

एक्सपर्ट द्वारा स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ राष्ट्र हेतु विज्ञान, तकनीक व नवाचार विषय पर आधारित बनाये गये शोध पत्र, लॉग बुक, सर्वे रिपोर्ट की बारीकी से अध्ययन किया। उनसे कई सवाल भी पूछे गये। 50 प्रोजेक्ट चयन किये गए। स्कूल के निदेशक मनीष देवा व प्राचार्या शीतल देवा ने बताया कि निर्णायक मंडल टीम में शामिल एक्सपर्ट द्वारा दिये गये बेहतर औसत अंक लाने वाले 50 बच्चों का चयन हुआ। इनमें से बेहतर प्रदर्शन करने वाले 30 प्रोजेक्ट को राष्ट्रीय स्तर के लिए चुना जाएगा।

मानव जीवन के लिए अमूल्य है नीम : मधुबनी की शालिनी ने नीम व रिट्ठा के पेड व तुलसी पौधा के महत्व को बताया। साबुन, ज्वाइंट दर्द नाशक तेल, पाचन चूर्ण बनाने की जानकारी दी। इससे हर्बल उत्पाद को बढ़ावा मिलेगा।

समापन आज

- एक्सपर्ट ने सर्वे रिपोर्ट की बारीकी से अध्ययन किया
- बेहतर औसत अंक लाने वाले 50 बच्चों का हुआ चयन

36 जिलों से 231 प्रोजेक्ट हुए शामिल, 50 का चयन

24 एक्सपर्ट निर्णायक मंडल टीम में है शामिल

स्कूल में शुक्रवार को जानकारी देते गया के बाल वैज्ञानिक। • हिन्दुस्तान

मुर्गे के पंख से बनेगा हेयर केयर प्रोडक्ट

कटा मुर्गा से निकला चमरा लगा पंख कचरा नहीं बनेगा। फेंके गये चमरा लगा पंख के सड़ने से वायु तो पानी में फेंके जाने पर जल प्रदूषण को बढ़ावा मिलता है। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। प्रोटीन से भरपूर पंख से केरेटिन प्राप्त कर हेयर केयर प्रोडक्ट, प्रसाधन सामग्री समेत अन्य सामानों को बनाकर इसे व्यापारिक रूप दिया जा सकेगा। ये दावा मुजफ्फरपुर जिले के बालिक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रभात तारा की नवम वर्ग की छात्रा सत्यश्री का है।

नंदिर में चढ़ाये गए फूल से बनेगा परफ्यूम

मधुबनी की अनिषा राज ने भगवान पर फूल चढ़ाने के बाद उसे कचरा के रूप में फेंका जाता है। फेंका गया फूल अब कचरा नहीं होगा बल्कि उससे परफ्यूम, गुलाब जल, पीच कलर, तेल बनाना संभव है। मधुबनी की अनिषा राज ने अपने शोध से ऐसा कर दिखाया है। वह गुलाब फूल से गुलाब जल, मेरी गोल्ड से रंग व ओरहूल के फूल से पीच रंग बनाने की जानकारी पोस्टर के माध्यम दी। निर्णायक टीम को बताया कि इससे बड़े-बड़े मंदिरों से लेकर गांव तक के मंदिरों में पर्यावरण-समस्या उत्पन्न नहीं होगी।

ऑटोमेटेड प्लांट वाटलिंग सिस्टम बताएगा जमीन की नमी : सुपौल जिले के किशनपुर हाईस्कूल के छात्र मो. जियाल्ला ने हैंडवाश मोनिटर बनाया। यह हाथ धुलाई की स्वच्छता की सही जानकारी देगा। दरभंगा से आये उज्जवल कुमार व किसलय ने बंद पड़े बायोगैस प्लांट को फिर से चालू कराने की जानकारी दी। पश्चिम चंपारण के नीतेश ने डेंगू व चिकुनिया बीमारी का इलाज आयुर्वेदि से करने का दावा किया। पपीता का पत्ता व गिलोय का लिक्विड से इस बीमारी का इलाज संभव है। यहीं के सचिन ने प्लास्टिक कचरे को रीसाइकलिंग कर प्लास्टिक का बर्तन बनाकर निर्णायक टीम को दिखाया। पटना के आदित्य राज ने ऑटोमेटेड प्लांट वाटलिंग सिस्टम से पौधे की नमी की मात्रा व शांभवी ने सफाई रोबोर्ट बनाकर अपनी बाल प्रतिभा का परिचय दिया।

निर्णायक मंडल टीम में ये लोग हैं शामिल : प्रो.एनपी राय, डॉ. विनय कुमार, डॉ. मोहनलाल प्रसाद, डॉ. कुमारी निमिशा, डॉ. मनोरंजन प्रसाद, डॉ. हजारीलाल साह, डॉ. कृति कुमारी, डॉ. एसकेपी सिन्हा, डॉ. सुजय कुमार, डॉ.अभय नंद श्रीवास्तव, डॉ. सीएम झा, डॉ. एसके पूर्वे, डॉ. अरविंद राय, डॉ. रामबिलास सिंह, डॉ. डीएन चौधरी, डॉ. राम इकबाल राय, डॉ.एसएस राय, डॉ. राजेन्द्र नारायण सिंह, डॉ.एसएन पांडेय, डॉ. एसएस सिंह, सतीश रंजन, डॉ. वीएन गुप्ता, डॉ.अरुण कुमार व एके जायसवाल हैं।

पुस्तक का किया गया विमोचन : बच्चों व अभिभावकों के मनोबल बढ़ाने वाले के लिए डॉ.एमएन राय द्वारा लिखित शंभाकादि और विद्यार्थियों का स्वप्रबंधन पुस्तक का विमोचन भी कार्यक्रम में किया गया। मौके पर डॉ. सुरेश प्रसाद राय, स्कूल के निदेशक मनीष देवा, प्राचार्या शीतल देवा आदि थे।

आयोजन • 26वीं राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस में बच्चों ने दिखाई अपनी प्रतिभा, दिखाया भविष्य का भारत

बाल वैज्ञानिकों की आंखों में दिखी देश को बेहतर मुकाम पर ले जाने की चाहत

सिटी रिपोर्टर | बेगूसराय

माउंट लिट्रा पब्लिक स्कूल, उलाव में आयोजित 26 वीं राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस के दूसरे दिन शुक्रवार को बाल वैज्ञानिकों ने निर्णायक मंडल के सदस्यों के समक्ष परियोजना की प्रस्तुति की है। इस अवसर पर बाल वैज्ञानिकों की आंखों में देश को बेहतर मुकाम पर ले जाने की छटपटाहट दिखी। इस अवसर पर बाल वैज्ञानिक जहां पर्यावरण, प्रदूषण एवं स्वच्छता के सवाल पर प्रोजेक्ट पर सिर्फ समस्याओं को ही नहीं गिनाया, बल्कि विकल्प के रास्ते भी बताए। वहीं कोलकता से आए वरिष्ठ वैज्ञानिक बीएम दास एवं रांची से आए फिजिक्स के विशेषज्ञ आनंद मोहन विज्ञान शिक्षकों को खेल-खेल में विज्ञान पढ़ाने की कला सीखा रहे हैं तो दूसरी ओर अंधविश्वासों से बचने के लिए उसकी वैज्ञानिक व्याख्या भी की जा रही है। इस अवसर पर कई सरकारी स्कूल के बच्चों ने यहां लगे प्रदर्शन को देखने पहुंच रहे हैं। मौके पर आयोजन समिति के सचिव शीतल देवा, डा मनीष देवा, फूलगेंद्र पूर्वे, संतोष मिश्रा, डा सुरेश प्रसाद राय आदि ने महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

इस दौरान बाल वैज्ञानिकों ने बाजार में धड़ल्ले से हो रहे प्लास्टिक के उपयोग से जाम हो रहे नाले और फैल रहे कचड़े को कम करने के लिए पश्चिमी चंपारण की सहकारी प्रोजेक्ट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल बगहा की खुशी कुमारी ने हमारी संस्कृति, हमारा विरासत को लेकर प्रोजेक्ट बनाई है जिसमें मूंज से हॉट पॉट, क्लिज और तमाम तरह के घरेलू उपयोग में लाए जाने वाले बर्तन को बनाया है जो प्लास्टिक के इस्तेमाल को कम करने में सहायक तो होगा ही साथ ही बिजली के खपत को भी कम कर सकेगा।

बाल वैज्ञानिकों ने प्लास्टिक के उपयोग को कहा- ना, लोगों से भी की अपील

अपनी प्रदर्शनी पर सवालों के जवाब देती छात्राएं।

स्वच्छता के सवाल पर पेंटिंग प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी

गांधी जयंती के 150 वें वर्ष के अवसर पर बाल विज्ञान कांग्रेस परिसर में स्वच्छता के सवाल पर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। साथ ही स्वच्छता को लेकर आए प्रोजेक्ट की प्रदर्शनी भी लगाई गई। जिसे लोगों ने सराहा। इस अवसर पर हाजीपुर की जिला समन्वयक सीमा सिंह ने बताया कि उनके जिला से 6 प्रोजेक्ट आया है जिसमें सरकारी स्कूल के बाल वैज्ञानिक भी शामिल है। वहीं भोजपुर से सात एवं कैमूर से चार प्रोजेक्ट आया है। समस्तीपुर जिला से आए केशव राज ने धूमपान से होने वाली क्षति को बताया है। वहीं डीएवी के छात्र रौशन कुमार ने दूध के साथ नींबू या अन्य खट्टे पदार्थ का सेवन से होने वाली खराब असर को बताया।

शिक्षक मुनींद्र झा चमत्कारों की वैज्ञानिक व्याख्या से अचंभित हैं लोग

बेतिया जिला के युवा साईंस एक्टिविस्ट मुनींद्र कुमार झा रोशन, माउंट लिट्रा पब्लिक स्कूल, उलाव में राज्यभर से आए बाल वैज्ञानिकों एवं शिक्षकों के बीच आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। वे स्टॉल पर आने वाले लोगों को अलौकिक चमत्कारों को करके दिखाते हैं। फिर उस की वैज्ञानिक व्याख्या करते हैं। श्री झा बताते हैं कि दुनिया में आलौकिक चमत्कार नाम का कोई अस्तित्व नहीं है। यह विज्ञान का कमाल है। उन्होंने कहा कि अंधविश्वास का कोई अस्तित्व नहीं है। इस दौरान उन्होंने आग पर चलना, खाली हाथों से सोने का चेन बनाना, आग को खाना, आग से स्नान करना, मुंह में तलवार निगल जाने, पानी को स्वर्ग लोक भेजना, त्रिशूल जीभ में चुभा लेने और हवा से पैसे बनाना इत्यादि हाथ की सफाई करके दिखा रहे हैं। फिर बाद में यह कैसे हो जाता है उसको लोगों को बताते हैं। ताकि समाज में फैला हुआ अंधविश्वास दूर हो सके।

प्राचार्य को अपनी प्रदर्शनी के बारे में बताती छात्रा।

ग्रेड में
जति

गर पंचायत
घ की बैठक
पुर में हुई।
क नियोजित
तन का लाभ
अंतर वेतन
तक भुगतान
लंबित है।
कर अहर्ता
शिक्षकों को
न्नति देने,
एरियर देने
अधिकारी
स्थापना द्वारा
तान के लिए
मास्टर डाटा
विरोध किया
यक्षता प्रखंड
नकर ने की।
यक्ष प्रमोद
र, अरुण थे।

ता
B.Ed
chers
ge
tola,
ience
n, 2014
Post-1
each
ion,
Social
gic-
, Art &
SUNDAY)
PM
just
U.
602365

26वीं राज्यस्तरीय राष्ट्रीय बाल कांग्रेस सफलता पूर्वक संपन्न

कलाम के सपनों का संकल्प ले बच्चे रवाना

बेगूसराय | निज प्रतिनिधि

बाल वैज्ञानिकों द्वारा कलाम के सपनों को पूरा करने का संकल्प लेने के साथ 26वीं राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस समारोह पूर्वक शनिवार को संपन्न हो गया।

बेहतर प्रबंधन के लिए स्कूल प्रबंधन की सराहना कर थैंक्स बेगूसराय कहते हुए वैज्ञानिक सोच लिए प्रतिभागी बच्चे व उनके साथ आए शिक्षक अपने-अपने जिले के लिए रवाना हुए। 36 जिले के 231 प्रोजेक्ट शामिल किए गए थे। 340 बच्चों ने एक से बढ़क एक नवाचार प्रोजेक्ट के बारे में बताया। 10-17 आयुवर्ग वाले बाल वैज्ञानिक की प्रतिभा के कायल रहे एक्सपर्ट। 24 सदस्यीय निर्णायक टीम द्वारा पोस्टर के माध्यम से व शोध पत्र, लॉग बुक, सर्वे रिपोर्ट की जानकारी लेने के बाद 50 प्रोजेक्टों का चयन किया गया। बच्चों को बरौनी डेयरी का भ्रमण कराया गया। विभिन्न संयत्रों व मशीनों के कार्य प्रणाली से अवगत कराया गया। साइंस फॉर सोसाइटी के बैनर तले माउण्ट लिट्रा पब्लिक स्कूल, उलाव में चयनित बाल वैज्ञानिकों को डीएम द्वारा स्कूल प्रबंधन की ओर से अतिथियों व बाल वैज्ञानिकों को एक-एक पौधा, मोमेन्टो व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

माउण्ट लिट्रा पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के समापन समारोह में बाल वैज्ञानिकों को मोमेंटों व प्रमाणपत्र देते डीएम, डीईओ, किलकारी निदेशक व अन्य।

वैज्ञानिक बनने के लिए जरूरी है उत्सुकता, व टेम्परामेंट

बेगूसराय। उत्सुकता, आवश्कता व टेम्परामेंट युक्त बच्चों में वैज्ञानिक बनने की क्षमता होती है।

जरूरत है वैसे बच्चों को इसी तरह का बेहतर मंच देने की। ये बातें डीएम ने शनिवार को उलाव स्थित माउण्ट लिट्रा पब्लिक स्कूल में कहीं। वे 26वीं राज्य स्तरीय राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में शामिल बाल वैज्ञानिकों का उत्साह बढ़ाने पहुंचे थे। देश को गुलाम बनाया जा सकता है लेकिन प्रतिभा व उत्सुकता को कोई गुलाम नहीं बना सकते। वैज्ञानिकों के प्रेरक प्रसंग की कहानियां पढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रश्न उठाने पर नयी चीजों का जन्म होता है। इसलिए साधारण चीजों पर भी प्रश्न उठाते रहना चाहिए। राज्यस्तर के लिए चयनित बाल वैज्ञानिकों व स्कूल के गाइड शिक्षकों को मोमेंटों व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

पढ़ाई व मेहनत कभी बेकार नहीं जाती: किलकारी के निदेशक ज्योति परिहार ने कहा पढ़ाई व मेहनत कभी बेकार नहीं जाती। सीखने के लिए हमेशा सभी ज्ञानेन्द्रियों का उपयोग करने पर बल दिया।

बाल विज्ञान कांग्रेस में विभिन्न जिलों के 50 प्रोजेक्ट चयनित, पुरस्कृत हुए बच्चे

डीएम ने बाल वैज्ञानिकों से किया सीधा संवाद

जासं, बेगूसराय : उलाव स्थित माउंट लिट्रा पब्लिक स्कूल में आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस के अंतिम दिन आयोजित समापन समारोह के मुख्य अतिथि डीएम राहुल कुमार ने सूबे के 36 जिलों के 340 बाल वैज्ञानिकों से सीधा संवाद कर खूब तालियां बटोरी। समारोह की अध्यक्षता साइंस फार सोसाइटी के राज्य शैक्षणिक समन्वयक डा. अरूण कुमार ने की। डीएम श्री कुमार ने उत्सुकता, आवश्यकता और नजरिए को विज्ञान की मूल अवधारणा के लिए अनिवार्य तत्व बताते हुए दुनिया के कई मशहूर वैज्ञानिकों की लघुकथाओं के माध्यम से बच्चों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रश्न और शंका से ही नए सिद्धांत का जन्म होता है न्यूटन अगर सेव को नीचे गिरने की घटना को सामान्य मानते तो आज गुरूत्वाकर्षण के सिद्घांत से हम परिचित नहीं होते। चार साल की उम्र तक एक शब्द भी नहीं बोल पाने वाले आइंस्टीन को समाज व दुनिया ने खारिज कर दिया था लेकिन उन्होंने सापेक्षता के सिद्धांत का प्रतिपादन किया। 12 वर्ष की आयु तक कुछ भी नहीं सीख पाने की बीमारी से ग्रसित रहने वाले एडीसन ने बल्ब

माउंट लिट्रा में आयोजित बाल विज्ञान कांग्रेस के समापन समारोह में डीएम को प्रीतक चिन्ह भेंट करते डॉ. मनीष देवा व अन्य ● जागरण

का आविष्कार किया। बचपन में कठिनाइयों का सामना करने वाले एपीजे अब्दुल कमाल न सिर्फ देश के सर्वोच्च पद ही प्राप्त किये बल्कि अपने शोध से देश को नई दिशा भी दी। डीएम ने बच्चों को हमेशा गतिशील रहने और संतुलन बनाने की सीख दी। समारोह में किलकारी की निदेशक ज्योति परिहार ने तुम्हार सोलहवां साल आया शीर्षक कविता के माध्यम से बच्चों को सीखने को प्रेरित किया। समारोह को निर्णायक मंडल सदस्य डा. एमपी राय, शिक्षक नेता चन्द्रकिशोर, मणिकांत राय, श्यामनंदन सिंह, जी ग्रुप के निदेशक सुमित कुमार, डीइओ श्यामबाबू राम, सारण की बाल वैज्ञानिक आयुशी समेत अन्य ने भी संबोधित किया। मौके पर अतिथियों ने संयुक्त रूप से स्मारिका का विमोचन किया और चयनित विद्यालय के प्रतिनिधियों, शिक्षकों व बाल वैज्ञानिकों को प्रतीक चिन्ह देकर पुरस्कृत किया। माउंट लिट्रा की प्राचार्य शीतल देवा, निदेशक मनीष देवा ने डीएम को शाल, प्रतीक चिन्ह व पौधा देकर सम्मानित किया। संचालन श्री राम पांडे ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन करते हुए बिहार राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ के संयुक्त सचिव डा. सुरेश प्रसाद राय ने कहा कि आप अपना रोल मॉडल खुद बनें, इससे कामयाबी हासिल करने में समय नहीं लगेगा।

340 बाल वैज्ञानिकों के 237 प्रोजेक्ट शामिल

तीन दिवसीय बाल विज्ञान कांग्रेस में सूबे के विभिन्न जिलों के 340 बाल वैज्ञानिकों ने स्वच्छ, स्वथ्य व हरित राष्ट्र निर्माण हेतु विज्ञान, तकनीक व नवाचार विषय पर 237 प्रोजेक्ट को शामिल किया गया। जिसमें निर्णायक मंडली के 24 सदस्यों ने तकनीकी सत्रों में मूल्यांकन के दौरान कुल 50 प्रोजेक्ट का चयन पटना में आयोजित बाल विज्ञान कांगेस के लिए किया है। जहां से 30 प्रोजेक्ट का चयन 27 से 30 दिसंबर तक उड़ीसा में होने वाले राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के लिए किया जाएगा। बांका की पूजा कुमारी, प्रिया रानी,पायल कुमारी , श्रृति कुमारी पटना के प्रीतम कुमार, सिद्धार्थ, अर्पित कुमार, शांभवी सिंहा,आदित्य राज भागलपुर के हर्ष राज, हर्षित नयन, अभिनव किशोर, अदिति ठाकुर, एडार्न अगस्टीन, आनंद कुमार पश्चिम चंपारण के सत्येन्द्र कुमार, पूर्णिया के देवाशीष का प्रोजेक्ट का चयन किया गया है।

बाल विज्ञान कांग्रेस • तीन दिवसीय राज्यस्तरीय 26 वां राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस संपन्न

बेस्ट 30 बाल वैज्ञानिक भुवनेश्वर में बाल विज्ञान कांग्रेस में लेंगे हिस्सा

सिटी रिपोर्टर | बेगूसराय

माउंट लिट्रा जी स्कूल में 25 अक्टूबर से आयोजित तीन दिवसीय 26 वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस समापन हो गया। इस दौरान राज्य के विभिन्न जिलों से आए 30 चयनित विद्यार्थी द्वारा तीन दिनों में 35 विषय से आए 251 प्रोजेक्ट में से 50 प्रोजेक्ट का चयन किया गया है जिसमें से 30 प्रोजेक्ट भुवनेश्वर में 27-31 दिसंबर को आयोजित राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के लिए चयनित किया जाएगा।

बाल विज्ञान कांग्रेस के समापन पर स्मारिका का विमोचन।

समापन समारोह में बाल वैज्ञानिकों ने कहा- ऑल इज वेल

डीएम ने कहा-

किसी के प्रश्न पूछने पर आप हंसते हैं तो समझ लें नई सोच की कर रहे हैं भ्रूण हत्या

दो अलग-अलग घटना में बाइक की चपेट में आने से तीन घायल

गढ़पुरा में बाइक अनियंत्रित होकर पोल से टकराई, दो युवक घायल

छौड़ाही में मालीपुर मुख्य पथ पर बाइक की ठोकर से छात्र घायल

जनता दरबार में आए भूमि विवाद के आवेदन

चेरियाबरियारपुर में शराब के साथ तीन युवकों को पकड़ा

भोला बाबू की श्रद्धांजलि वाले होर्डिंग से पटा शहर

सिटी रिपोर्टर | बेगूसराय

सांसद को भाजपा कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

भाजपा कार्यकर्ताओं ने सांसद को दी श्रद्धांजलि

हुंकार रैली में शहीद बिंदेश्वरी चौधरी को भाजपा ने किया याद

सिटी रिपोर्टर | बछवाड़ा

हर्ल के खिलाफ 51 मजदूर भूख हड़ताल पर पूर्व विधायक बोले-मजदूरों की अनदेखी गलत

हर्ल खाद कारखाना बरौनी में अपनी सुनिश्चित भागीदारी को लेकर 51 मजदूर हैं भूख हड़ताल पर

सिटी रिपोर्टर | बीहट

मौके पर ये लोग थे मौजूद

एसडीपीओ ने किया थाने का निरीक्षण

जनता दरबार में दो मामलों में कोर्ट जाने का दिया निर्देश

सिटी रिपोर्टर | नावकोठी

वीरपुर : जिला पार्षद ने जिन्दपुर में पीसीसी सड़क का किया शिलान्यास

400 फीट पीसीसी सड़क का निर्माण 7 लाख रुपये की लागत से होगा

सिटी रिपोर्टर | वीरपुर

वीरपुर में पीसीसी सड़क का शिलान्यास करते जिला पार्षद।

9 माह से 15 वर्ष तक का होगा टीकाकरण

महिला से दुष्कर्म मामले में केस दर्ज

अमृतसर रेल हादसा • धर्मनिरपेक्ष सेवक संघ के कार्यकर्ताओं ने निकाला कैंडल मार्च

कैंडल मार्च निकाल दी गई श्रद्धांजलि

सिटी रिपोर्टर | बलिया

छह थाने में लॉ एण्ड ऑर्डर और जांच करेंगे अलग-अलग ऑफिसर

काली पूजा की तैयारी शुरू, 8 को होगी सुअर-भैंसे की लड़ाई

सिटी रिपोर्टर | बीहट

जनता दरबार में आए दो आवेदन

1891 में जापान में आए भूकंप से 7300 लोग मरे।

26वीं राज्यस्तरीय राष्ट्रीय बाल कांग्रेस सफलता पूर्वक संपन्न

कलाम के सपनों का संकल्प ले बच्चे रवाना

बेगूसराय | निज प्रतिनिधि

बाल वैज्ञानिकों द्वारा कलाम के सपनों को पूरा करने का संकल्प लेने के साथ 26वीं राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस समारोह पूर्वक शनिवार को संपन्न हो गया।

बेहतर प्रबंधन के लिए स्कूल प्रबंधन की सराहना कर थैंक्स बेगूसराय कहते हुए वैज्ञानिक सोच लिए प्रतिभागी बच्चे व उनके साथ आए शिक्षक अपने-अपने जिले के लिए रवाना हुए। 36 जिले के 231 प्रोजेक्ट शामिल किए गए थे। 340 बच्चों ने एक से बढ़क एक नवाचार प्रोजेक्ट के बारे में बताया। 10-17 आयुवर्ग वाले बाल वैज्ञानिक की प्रतिभा के कायल रहे एक्सपर्ट। 24 सदस्यीय निर्णायक टीम द्वारा पोस्टर के माध्यम से व शोध पत्र, लॉग बुक, सर्वे रिपोर्ट की जानकारी लेने के बाद 50 प्रोजेक्टों का चयन किया गया। बच्चों को बरौनी डेयरी का भ्रमण कराया गया। विभिन्न संयत्रों व मशीनों के कार्य प्रणाली से अवगत कराया गया। साइंस फॉर सोसाइटी के बैनर तले माउण्ट लिट्रा पब्लिक स्कूल, उलाव में चयनित बाल वैज्ञानिकों को डीएम द्वारा स्कूल प्रबंधन की ओर से अतिथियों व बाल वैज्ञानिकों को एक-एक पौधा, मोमेन्टो व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

माउण्ट लिट्रा पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के समापन समारोह में बाल वैज्ञानिकों को मोमेंटों व प्रमाणपत्र देते डीएम, डीईओ, किलकारी निदेशक व अन्य।

वैज्ञानिक बनने के लिए जरूरी है उत्सुकता, व टेम्परामेंट

बेगूसराय। उत्सुकता, आवश्कता व टेम्परामेंट युक्त बच्चों में वैज्ञानिक बनने की क्षमता होती है।

जरूरत है वैसे बच्चों को इसी तरह का बेहतर मंच देने की। ये बातें डीएम ने शनिवार को उलाव स्थित माउण्ट लिट्रा पब्लिक स्कूल में कहीं। वे 26वीं राज्य स्तरीय राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में शामिल बाल वैज्ञानिकों का उत्साह बढ़ाने पहुंचे थे। देश को गुलाम बनाया जा सकता है लेकिन प्रतिभा व उत्सुकता को कोई गुलाम नहीं बना सकते। वैज्ञानिकों के प्रेरक प्रसंग की कहानियां पढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रश्न उठाने पर नयी चीजों का जन्म होता है। इसलिए साधारण चीजों पर भी प्रश्न उठाते रहना चाहिए। राज्यस्तर के लिए चयनित बाल वैज्ञानिकों व स्कूल के गाइड शिक्षकों को मोमेंटों व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

पढ़ाई व मेहनत कभी बेकार नहीं जाती: किलकारी के निदेशक ज्योति परिहार ने कहा पढ़ाई व मेहनत कभी बेकार नहीं जाती। सीखने के लिए हमेशा सभी ज्ञानेन्द्रियों का उपयोग करने पर बल दिया।

चयनित बाल वैज्ञानिकों की हुई घोषणा

बेगूसराय। निर्णायक मंडल टीम द्वारा औसत

प्रमाण पत्र एवं ट्रॉफी के साथ 26वीं बाल विज्ञान कांग्रेस के बाल वैज्ञानिक

माउंट लिट्रा की स्नेहल राष्ट्रीय स्तर पर चयनित

जागरण संवाददाता, बेगूसराय : माउंट लिट्रा पब्लिक स्कूल उलाव में आयोजित 26वीं राज्य स्तरीय राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के सफल आयोजन को लेकर प्राचार्य शीतल देवा ने सहयोगियों व साइंस फॉर सोसायटी के अधिकारियों समेत अन्य लोगों को धन्यवाद देते हुए सफल बाल वैज्ञानिकों को बधाई दी है। पर्ल कल्चर फॉर इकोनॉमिकली हेल्दी नेशन संबंधी शोध के लिए राष्ट्रीय स्तर पर चयनित माउंट लिट्रा पब्लिक स्कूल उलाव की छात्रा स्नेहल सानवी , डीएवी पब्लिक स्कूल के कमल कृष्णा , तक्षशिला स्कूल की अपूर्वा कृतिका , बीपी इंटर स्कूल के अतहर सैफी , पीबीएस पब्लिक स्कूल नावकोठी की रचना भारती , नितिन कुमार, रोहतास के हर्ष राज समेत चयनित 50 बाल वैज्ञानिकों को प्राचार्य ने शुभकामनाएं दी। प्रचार्य ने सहयोग के लिए डीएम राहुल, मेयर उपेंद्र प्रसाद सिंह, डॉ. एमएन रॉय, पूर्व मेयर संजय कुमार, किलकारी की निदेशिका ज्योति परिहार, पटना विश्वविद्यालय की प्रति कुलपति डॉली सिन्हा ,राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के राज्य समन्वयक डॉ. फुलगेन पूर्वे, साइंस फॉर सोसायटी के महासचिव श्रीराम पांडे, जिला समन्वयक सह आयोजन समिति के संयोजक हर्षवर्धन कुमार, माध्यमिक शिक्षक संघ के संयुक्त सचिव सह आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. सुरेश प्रसाद राय, डीईओ श्याम बाबू राम को भी धन्यवाद दिया।